जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 48 संख्याः 317 प्रभात कोटा, गुरुवार 31 अगस्त, 2023 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

मादा किलर व्हेल (ओर्का) अपने प्राकृतिक आवास में लगभग 90 साल तक जीवित रहती हैं। इसमें से औसतन 22 साल वे प्रजनन नहीं करतीं। मात्र 6 प्रजातियां हैं जिनमें मेनोपॉज़ होता है। एक है इंसान और 5 प्रजातियां टूदड व्हेल की हैं। यह तो पहले से पता था कि, उम्रदराज मादा ओर्का भोजन ढूंढने में अपने झुण्ड की मदद करती हैं, और भोजन में पूरे परिवार को हिस्सा मिले, यह ध्यान भी रखती हैं। अब एक्सटर और यॉर्क युनिवर्सिटीज़ तथा सैंटर फॉर व्हेल रिसर्च के एक सम्मिलित शोध में पता चला है कि, ये उम्रदराज मादाएं अपने पुत्रों को अन्य किलर व्हेल से सुरक्षा भी देती हैं। शोध के प्रथम लेखक चार्ली ग्राइम्स, जो युनिवर्सिटी ऑफ एक्सटर के एनिमल बिहेवियर साईन्टिस्ट हैं, ने कहा कि, इस प्रोजैक्ट का उद्देश्य यह समझने की कोशिश करना था कि, प्रजनन नहीं करने वाली ये मादाएं कैसे अपने बच्चों की मदद कर रही हैं। टीम ने अमेरिका पैसिफिक नॉर्थ वैस्ट कोस्ट के समीप रहने वाले ओर्का समूह, जिन्हें सदर्न रैज़िडैंट किलर व्हेल कहते हैं, का अध्ययन किया। व्हेल के अध्ययन के लिए शोधकर्ताओं ने उनके शरीर पर दांतों के निशानों को ढूंढा, क्योंकि ओर्का को मारने वाले केवल मनुष्य हैं और उनके शरीर पर दांतों के निशानों का अर्थ है कि, किसी दूसरी ओर्का ने लड़ाई के दौरान दांत से काटा है। शोधकर्ताओं ने देखा कि, उन नर ओर्का के शरीर पर दांतों के निशान कम थे, जिनके साथ उनकी मां मौजूद थी और उसने प्रजनन करना बंद कर दिया था। ग्राइम्स ने कहा, ''हम देखकर हैरान थे कि प्रजनन नहीं कर रही माँ के साथ रहने पर नर व्हेल को विशिष्ट लाभ मिल रहा है। इन नर ओर्का के शरीर पर अन्य की तुलना में 35 प्रतिशत कम घाव थे। जिन नरों की मां अभी भी प्रजनन कर रही थी उनमें ऐसा कोई प्रमाण नहीं मिला।'' ग्राइम्स ने कहा, हम निश्चित रुप से नहीं कह सकते हैं कि मेनोपॉज़ के बाद यह बदलाव क्यों होता है, पर एक संभावना है कि, प्रजनन से मुक्त होने के बाद इन मादाओं के पास अपने पुत्रों के संरक्षण के लिए पर्याप्त ऊर्जा और समय होता है।

गहलोत के अड़ियल रवैये से गौरव गोगोई का काम मुश्किल हो रहा

गोगोई जानते हैं कि, कई विधायकों की जीत नामुमकिन है, जबकि गहलोत का कहना है कि, इन विधायकों ने सरकार बचाई, इन्हें टिकट जरूर मिले

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 अगस्त। राजस्थान के लिए बनाई गई स्क्रीनिंग कमेटी के चेयरमैन गौरव गोगोई सक्रिय रूप से उन विधायकों से बात कर रहे हैं जिनकी स्थिति संदिग्ध है और नेतृत्व जिनका टिकट काट सकता है।

विधायकों के साथ वन-टु-वन मीटिंग में गोगोई उनसे पार्टी के प्रति उनकी निष्ठा के बारे में पूछ रहे हैं और यह भी कि, क्या वो इतने निष्ठावान हैं कि, उनके भविष्य के बारे में नेतृत्व जो निर्णय लेगा वो उसे स्वीकार कर लेंगे।

विधायकों से गोगोई यह भी पूछ रहे हैं कि, यदि वो पार्टी और नेतृत्व के प्रति इतने निष्ठावान हैं तो 25 सितम्बर की मीटिंग में शामिल क्यों हुए।

इनमें से अधिकतर को अत्यधिक भ्रष्ट माना जा रहा है, लेकिन ये लोग दावा कर रहे हैं कि, ये बिल्कुल साफ हैं और सिर्फ ये ही उस सीट पर जीत सकते हैं

- **टिकट के लिए दावा कर रहे इन विधायकों से गोगोई सवाल पूछ रहे हैं, आपकी पार्टी और पार्टी नेतृत्व के प्रति निष्ठा कितनी गहरी है।**
- **जब ये दावेदार पूर्ण निष्ठा होने की बात कहते हैं तो गोगोई यह पूछना नहीं भूलते कि, फिर केन्द्रीय नेतृत्व द्वारा बुलाई गई विधायक दल की बैठक से वॉक आउट क्यों किया था।**
- **इन सभी विधायकों का दावा है कि, वो ही चुनाव जीतेंगे, ना कि वो जो पार्टी सर्वे में ''जिताऊ'' प्रत्याशी के रूप में उभरे हैं।**
- **एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि, अगर टिकट देने के मामले में कश्मकश जारी रही और हारने वाले इन विधायकों की छंटनी नहीं की गई तो पार्टी को बेहद शर्मनाक हार का सामना करना पड़ सकता है।**

ना कि वो जिनकी स्थिति सर्वे में उक्त सीट पर बेहतर बताई जा रही है।

गोगोई राज्य की स्थिति को समझने के लिए इन्टरव्यू और विचार-विमर्श का प्रारंभिक दौर संचालित कर रहे हैं, क्योंकि राज्य में पार्टी गहलोत व पायलट निष्ठावानों के बीच फंसी हुई है।

एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि, अगर ये लोग बहुत सावधानी से कदम नहीं उठाएंगे और काम नहीं करने वालों और निश्चित रूप से हारने वाले दावेदारों की छंटनी नहीं करेंगे तो पार्टी को अब तक की सबसे बड़ी चुनावी हार का सामना करना पड़ सकता है।

उक्त वरिष्ठ नेता ने कहा, गहलोत उन विधायकों का समर्थन करके पार्टी की मदद नहीं कर रहे हैं, जो चुनाव नहीं जीत सकते।

उन्होंने कहा, ऐसे परिदृश्य में दिल्ली नेतृत्व को सख्त रूख अपनाना होगा तथा उसी के अनुसार गोगोई को निर्देश देने होंगे।

विचार विमर्श का प्रारंभिक दौर समाप्त होने के बाद स्क्रीनिंग कमेटी की मीटिंग होंगी।

पार्टी नेताओं का कहना था: आसान नहीं है स्क्रीनिंग कमेटी का काम।

'जी-20 देशों में भारत के प्रति पॉज़िटिव सोच, पर मोदी पर भरोसा कम है'

अमेरिकन थिंक टैंक ''प्यू'' के एक सर्वे में यह खुलासा हुआ है

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 अगस्त। अमेरिका स्थित थिंक टैंक प्यू द्वारा करवाए गए एक सर्वेक्षण, जो मंगलवार को प्रकाशित हुआ है, के अनुसार जी-20 देशों के लोग भारत के प्रति सकारात्मक रवैया रखते हैं लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बारे में राय बंटी हुई है।

जी-20 के अधिकांश देशों के लोग भारत के पक्ष में राय रखते हैं, लेकिन यूरोपीय देशों में भारत के पक्ष में राय रखने वाले लोगों की संख्या गत 15 वर्षों में घटी है।

सर्वेक्षण में इनमें से 12 देशों के लोगों से नरेन्द्र मोदी के बारे में उनकी राय मांगी गई और 40 प्रतिशत ने कहा कि उन्हें विश्वास नहीं है कि वैश्विक मामलों में मोदी सही काम करेंगे, जबकि 37 प्रतिशत को विश्वास है कि वे ऐसा करेंगे। 24 देशों के 30,000 से ज्यादा लोगों का यह सर्वेक्षण इस साल फरवरी और मई में प्यू रिसर्च सैंटर द्वारा किया गया जिसमें पता चलता है 46 प्रतिशत लोग भारत के पक्ष में हैं जबकि 34 प्रतिशत नहीं है।

- **भारत में होने जा रहे जी-20 शिखर सम्मेलन से दो सप्ताह पहले सर्वे के नतीजे सामने आए हैं, जो निस्संदेह भाजपा को पसंद नहीं आएंगे।**
- **प्यू ने 24 देशों, जिनमें 12 देश जी-20 के है, के 37,000 लोगों पर यह सर्वे किया है। महत्वपूर्ण बात यह है कि, इनमें भारत भी शामिल है। जी-20 के देशों के 40 प्रतिशत लोगों को वैश्विक स्तर पर मोदी की क्षमता पर भरोसा नहीं है, पर 37 प्रतिशत उन पर भरोसा करते हैं।**
- **अमेरिका में भी जहां 51 प्रतिशत लोग भारत के बारे में अच्छी राय रखते हैं वहीं, 44 प्रतिशत इसके विपरीत सोचते हैं। जहां तक मोदी की बात है, 21 प्रतिशत अमेरिकन ही उन पर भरोसा करते हैं, 37 प्रतिशत मोदी को नापसंद करते हैं।**

जी-20 के सदस्य रूस, चीन, सऊदी अरब और तुर्की उन 24 देशों में शामिल नहीं हैं जहां सर्वेक्षण हुआ, जबकि भारत शामिल है।

यह सर्वेक्षण नई दिल्ली में मोदी द्वारा आयोजित करवाए जा रहे जी-20 सम्मेलन के दो हफ्ते से भी कम समय पहले आया है।

भाजपा और सरकार तो सर्वेक्षण के नतीजों को सीधे खारिज कर देंगे, मगर इससे मोदी समर्थकों के इस दावे को झटका लगा है कि मोदी विश्व में सबसे लोकप्रिय नेता हैं।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने सम्मेलन में आने की पुष्टि की है लेकिन रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन नहीं आएंगे। अमेरिका में 51 प्रतिशत लोग भारत के पक्ष में हैं जबकि 44 प्रतिशत खिलाफ हैं और केवल 21 प्रतिशत

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

शाहरुख वैष्णो देवी मंदिर पहुंचे

जम्मू, 30 अगस्त (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान ने अपनी फिल्म जवान रिलीज होने से पहले जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले की त्रिकुटा पहाड़ियों में स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर में पूजा-अर्चना की। अधिकारियों के अनुसार, अभिनेता ने कटरा पहुंचने के बाद पवित्र गुफा में दर्शन किए और फिर नए ताराकोट मार्ग से भवन की ओर रवाना हुए।

सीटों के बंटवारे पर फोकस करेगा ''इंडिया'' मुम्बई में

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 अगस्त। विपक्षी गठबंधन इंडिया को गुरुवार से मुम्बई में दो दिवसीय सम्मेलन हो रहा है। जिसमें सहयोगी दलों के बीच टिकटों के बंटवारे पर वार्ता होगी।

इसमें सीटों के वितरण का फॉर्मूला तैयार किया जाएगा। जैसा कि नीतीश कुमार का कहना है कि विपक्षी गठबंधन तब तक आगे नहीं बढ़ सकता जब तक सीटों के बंटवारे का एक स्पष्ट फॉर्मूला

- **मुम्बई में हो रहे दो दिवसीय सम्मेलन में इंडिया गठबंधन राज्यवार सीटों के बंटवारे पर गहन चर्चा करेगा।**

नहीं बन जाता। उन्हें उम्मीद है कि मुम्बई के विपक्षी गठबंधन में 30 दल शामिल हो जाएंगे। पटना बैठक (23 जून) में 15 दल शामिल हुए थे तथा बैंगलूरु बैठक (17-18 जुलाई) में 26 दल शामिल हुए थे।

पार्टियां गत चुनावों के प्रदर्शन का विश्लेषण कर भाजपा के खिलाफ एक प्रत्याशी खड़ा करने का निर्णय लेगी। इस सम्बंध में वे अपनी राज्य इकाइयों से

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

लोकसभा चुनाव में ''कर्नाटक मॉडल'' को प्रोजैक्ट करेगी कांग्रेस

कर्नाटक सरकार द्वारा चुनावी वायदे पूरे करने के आधार पर ''कर्नाटक मॉडल'' को प्रचारित किया जाएगा

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 अगस्त। कांग्रेस अब देश के सामने और विशेषकर आगामी आम चुनाव में कर्नाटक मॉडल के साथ जाएगी। कर्नाटक सरकार द्वारा अपने चुनावी वादे पूरे करने की जोरदार मार्केटिंग और उसके प्रशासन द्वारा किए गए कामों से मिलकर कर्नाटक मॉडल बनाते हैं।

लोकसभा आम चुनाव के पहले कांग्रेस कर्नाटक मॉडल के ईदगिर्द ही अपना कथन तैयार करेगी। कर्नाटक सरकार की गृह लक्ष्मी योजना का शुभारंभ करते हुए राहुल गांधी ने यह स्पष्ट किया, कार्यक्रम में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया तथा उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार मौजूद थे।

कांग्रेस भारत की जनता को यह दिखाने का प्रयास करेगी कि सुशासन होता क्या है। ऐसा करने का विचार विपक्षी गठबंधन इंडिया के मुंबई सम्मेलन के एक दिन पहले आया। कर्नाटक सरकार की गृह लक्ष्मी योजना के बुधवार को मैसूर में शुभारंभ के समय।

- **इसका संकेत, कर्नाटक सरकार की गृह लक्ष्मी योजना का शुभारम्भ करते हुए राहुल गांधी ने दिया।**
- **इंडिया गठबंधन की मुम्बई बैठक से पूर्व कांग्रेस ने यह तय किया है कि, भारत की जनता को ''कर्नाटक मॉडल'' के आधार पर बताया जाएगा कि, वास्तव में सुशासन होता क्या है।**
- **गौरतलब है कि, 2014 के चुनावों में भाजपा ने भी ''गुजरात मॉडल'' को विकास का मॉडल बताकर जोर-शोर से प्रचारित किया था और भारी जीत हासिल की थी।**

कांग्रेस ने जो वादे कर्नाटक में किए थे वे ही तेलंगाना और मध्य प्रदेश में कर रही है जहां साल के अंत तक राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मिज़ोरम के साथ चुनाव होने है। कर्नाटक सरकार अपनी उपलब्धियों का प्रचार हिंदी अखबारों में विज्ञापन देकर कर रही है। हिंदी भाषी क्षेत्रों में आगामी चुनाव को ध्यान में रखते हुए।

कांग्रेस अब मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा को टक्कर देने के लिए लाभार्थियों को संभावित मतदाता बनाने की तैयारी कर रही है, जैसा पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा ने किया था।

राहुल गांधी ने दोहराया कि उनकी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

160 लोकसभा सीटों के लिए विशेष रणनीति बनाएगी भाजपा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 अगस्त। भारतीय जनता पार्टी एक सितम्बर को लोकसभा की 160 कमजोर सीटों का रिव्यु करेगी ये वे सीटे हैं, जहां या तो भाजपा हार गई थी या फिर बहुत ही कम अंतर से जीती थी। रिव्यु मीटिंग में पार्टी अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा व केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद रहेंगे।

- **ये वो सीटें हैं जहां गत चुनाव में या तो भाजपा हार गई थी या बहुत कम अंतर से जीती थी।**

पार्टी ने इन सीटों पर अपनी स्थिति मजबूत करने का प्रयास शुरु कर दिया है इसके लिए केन्द्रीय नेताओं और मंत्रियों को जिम्मेदारी दी गई है।

पूर्व नीति से अलग पार्टी ने लोकसभा विधानसभा चुनावों में कमजोर सीटों को रखा। मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ में पहली लिस्ट जारी होने के बाद मौजूदा विधायकों में तनाव बढ़ गया है जिन्हें टिकट नहीं

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

थाईलैण्ड वीज़ा फीस ज़ीरो करेगा भारत व चीन के पर्यटकों के लिए

थाईलैण्ड के विशेषज्ञों का मत है कि, इससे थाईलैण्ड में पर्यटकों की संख्या में भारी वृद्धि होगी

-सुकुमार शाह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 अगस्त। थाइलैंड के लोकप्रिय पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों की आमद बढ़ाने के लिए थाई सरकार ने भारतीय एवं चीनी पर्यटकों के लिए वीजा नियम सरल करने और सभी देशों के यात्रियों को ज्यादा समय रुकने देने का प्रस्ताव रखा है।

नए थाई प्रधानमंत्री श्रेथा थाविसिन का इरादा है कि अगले वर्ष तक पर्यटन राजस्व बढ़ाकर लगभग 100 अरब डॉलर किया गया।

फुकेट टूरिज्म एसोसिएशन (पी.टी.ए.) के अध्यक्ष थानेथ तांतीपिरियाकिज ने कहा कि चीन और भारत के यात्रियों की आवेदन फीस समाप्त करने की पी.टी.ए. की सिफारिशें प्रधानमंत्री को सप्ताहांत में हुई बैठक में बता दी गईं।

कोविड से पहले सबसे ज्यादा आने वाले चीनी पर्यटकों को महंगी और कठिन वीजा आवेदन प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है जिससे इस साल उनकी संख्या में कमी हुई है। यह बात प्रधानमंत्री के हवाले से एक ब्लूमबर्ग रिपोर्ट में कही गई है।

श्रेथा ने कहा कि वे वीज़ा मुक्त देशों की सूची भी बढ़वाना चाहते है और अधिकांश देशों के पर्यटकों के रुकने की अवधि भी, क्योंकि कई देशों के नागरिकों के लिए थाईलैंड में रहने के लिए 15 से 30 दिन की सीमा है।

श्रेथा ने थाइलैंड के हवाई अड्डों और कई एयरलाइंस के अधिकारियों से सोमवार को विकल्प पर चर्चा की ताकि चौथी तिमाही में अधिक विदेशी पर्यटकों को आकर्षित किया जा सके जो पर्यटन का शीर्ष सीजन ही हवाई अड्डा संचालकों ने उड़ान की क्षमता 20 प्रतिशत बढ़ाने में आने वाली रुकावटें दूर करने और आव्रजन स्वीकृति तेज करने पर सहमति जताई। श्रेथा ने कहा कि नई सरकार विदेशी पर्यटकों से राजस्व बढ़ाकर 94 अरब डॉलर करना चाहती है और पर्यटन उद्योग सर्वश्रेष्ठ अल्पावधि प्रोत्साहन दे रहा है।

- **थाईलैण्ड सरकार की यह कोशिश भी है कि, वीज़ा लम्बी अवधि के लिए मिले ताकि पर्यटक ज्यादा दिनों तक रहें और ज्यादा खर्च करें।**
- **थाईलैण्ड के नए प्रधानमंत्री श्रेथा थाविसिन ने इस संबंध में घोषणा की, साथ ही यह भी बताया कि, उनका लक्ष्य अगले वर्ष तक थाईलैण्ड के पर्यटन उद्योग को 100 अरब अमेरिकन डॉलर तक पहुंचाने का है।**
- **ज्ञातव्य है कि, थाईलैण्ड की जी.डी.पी. का सबसे प्रमुख स्त्रोत पर्यटन उद्योग है।**
- **भारतीय संदर्भ में देखे तो हमारे यहां भी पर्यटन उद्योग की जी.डी.पी. बढ़ाने में अहम भूमिका है, तो क्या यहां वीज़ा शुल्क खत्म करने जैसे कदम नहीं उठाए जा सकते, पर्यटन उद्योग को आगे बढ़ाने के लिए।**

बैंक ऑफ थाईलैंड के आंकड़ों के अनुसार पर्यटन का देश के जी.डी.पी. में 12 प्रतिशत और रोजगार में 20 प्रतिशत हिस्सा है।

थानेथ ने कहा, ''वीज़ा मुक्त करने से पर्यटन तुरंत लाभान्वित होता है। उन्होंने कहा कि जुलाई तक फुकेट में अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों की संख्या कोविड पूर्व की लगभग 70 प्रतिशत है लेकिन चीनी पर्यटक लगभग 30 प्रतिशत ही है।

नोमुरा होल्डिंग इंक के अनुसार 2023 में लगभग 3 करोड़ विदेशी पर्यटक आएंगे जो गत वर्ष के 1.12 करोड़ से लगभग तिगुने हैं। पर्यटन एवं खेल मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि संख्या 1.75 करोड़ तक पहुंच गई है।

लेकिन पर्यटकों के सबसे बड़े स्त्रोत चीन से आवक उम्मीद से कम है जो गत माह 4,20,000 रही। कोविड से पहले 2019 में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'गहलोत के खिलाफ आपराधिक अवमानना की कार्रवाई की जाए'

जयपुर, 30 अगस्त (का.सं.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की ओर से न्यायपालिका में भ्रष्टाचार को लेकर की

- **बार काउन्सिल ऑफ राजस्थान के पूर्व उपाध्यक्ष और दी बार एसोसिएशन जयपुर के पूर्व अध्यक्ष योगेन्द्र सिंह तंवर ने हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को पत्र भेजकर यह आग्रह किया व आरोप लगाया कि, गहलोत ने न्याय पालिका में भष्टाचार की बात कह कर न्यायपालिका की गरिमा को ठेस पहुंचाई है।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)